आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-18, भोपाल, 16 से 31 जुलाई 2016 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

ऐसी दुनिया की बात करते हैं, जो अस्तित्व में ही नहीं है: ट्रंप

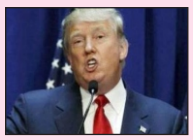

फिलाडेल्फिया। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेटिक नेतृत्व पर हमला तेज करते हुए कहा है कि उनकी प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेता 'एक ऐसी दुनिया' की बात कर रहे हैं 'जो अस्तित्व में ही नहीं है.' ट्रंप ने अमेरिका के लिए 'एक अलग सोच' की बात की। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी स्वीकार करते हुए हिलेरी की ओर से दिए जाने वाले ऐतिहासिक भाषण देने से कुछ घंटे बाद ट्रंप ने कहा, 'हिलेरी क्लिंटन के इस हफ्ते आयोजित हुए कन्वेंशन में डेमोक्रेटिक नेता एक ऐसी दुनिया की बात कर रहे हैं जो अस्तित्व में ही नहीं है.' ट्रंप ने कहा, 'एक दुनिया जहां अमेरिका में पूर्ण रोजगार है, जहां कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद जैसी कोई चीज नहीं है, जहां सीमा पूरी तरह सुरक्षित है और जहां बाल्टीमोर एवं शिकागो जैसे शहरों में बढ़ते अपराध से हजारों निर्दोष अमेरिकी प्रभावित नहीं हुए हैं।

कश्मीरी हिंसा की अगुवाई कर रहा था लश्कर कमांडर

नई दिल्ली। मुंबई आतंकी हमलों में मोस्ट वांटेड आतंकी सरगना हाफिज सईद ने कश्मीर में भड़की हिंसा को लेकर बड़ा खुलासा किया है, जिसके चलते वह खुद और पाकिस्तान बेनकाब हो गए हैं। हाफिज ने खुलासा किया है कि कश्मीर में हुए विरोध मार्च की अगुवाई लश्कर का एक कमांडर कर रहा था। हाफिज ने उस शख्स का नाम अमीर बताया है। यह प्रदर्शन पाकिस्तान के समर्थन में कश्मीरियों को एकजुट करने के लिहाज से शुरू किए गए थे। जमात उद दावा के प्रमुख हाफिज सईद ने दावा किया कि लश्कर-ए-तैयबा के एक 'अमीर' (सरगना) ने मुठभेड़ में मारे गए हिज्बुल मुजाहिदीन के कमांडर बुरहान वानी के जनाजे का नेतृत्व किया था। आतंकी सईद के इस दावे से कश्मीर घाटी में भारत विरोधी प्रदर्शनों में पाकिस्तानी आतंकी संगठन की भूमिका के भारत के आरोप को बल मिला है। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक सईद ने कहा, 'बुरहान वानी शहीद हो गया। उसके जनाजे में शामिल होने के लिए लाखों कश्मीरी सड़कों पर उतर आए।

पुणे में निर्माणाधीन इमारत का स्लैब गिरा, 10 मजदूरों की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में एक निर्माणाधीन इमारत की स्लैब गिरने से बड़ा हादसा हो गया है। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है जबकि 10 से ज्यादा मजदूरों के मलबे में दबे होने की भी आशंका जताई जा रही है। राहत बचाव कार्य जारी है। दबे हुए मजदूरों को मलबे से निकालने का काम जारी है। जानकारी के मुताबिक बिल्डिंग के 14वें फ्लोर पर काम चल रहा था। इस दौरान वहां स्लैब गिर गया, जिसके चलते हादसा हो गया।

स्वतंत्रता दिवस

लाल किले पर भाषण के दौरान PM पर 'ड्रोन हमले' का खतरा

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा को लेकर एजेंसियों ने खतरा जताया है। एजेंसियों ने सलाह दी है कि इस बार बुलेटप्रूफ घेरे में पीएम मोदी लाल किले से अपना भाषण दें। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की सलाह के बाद खुफिया एजेंसियां और एसपीजी (स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप) पीएम की सुरक्षा को लेकर खास इंतजामों में लगे हैं।

इस बार खतरा इतना ज्यादा है कि बुलेटप्रूफ घेरा (शीशा) लगाना बहुत ही जरूरी है। इसके साथ ही पिछले दो बार मोदी ने अंतिम समय में बुलेटप्रूफ घेरे को हटाने का आदेश दिया था लेकिन, इस बार घेरे के साथ ही उनके आसपास सुरक्षा के इंतजाम भी पहले से ज्यादा होंगे। यहां तक कि आतंकी ड्रोन का इस्तेमाल कर पीएम पर हमला कर सकते हैं।

ड्रोन हमले के जरिए सेंध लगाने की कोशिश की चर्चा : सूत्रों का कहना है कि इस बार केवल कश्मीर हिंसा या बढ़ती घुसपैठ की घटनाएं ही कारण नहीं हैं। बल्कि, एजेंसियों ने कुछ ऐसे संवाद इंटरसेप्ट किए हैं जिनमें पीएम की सुरक्षा में ड्रोन हमले के जरिए सेंध लगाने की कोशिश की चर्चा है। इसके साथ ही आईएसआईएस के बढ़ते खतरे को भांपते हुए भी सुरक्षा को लेकर खास इंतजाम किए गए हैं।

अलकायदा और आईएसआईएस के बारे में दो इनपुट : इसके साथ ही केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने यह भी बताया है कि 15 अगस्त की समारोह के बीच आतंकी संगठन 'लोन-वॉल्फ अटैक' (अकेले आतंकी का हमला) कर सकता है. इसके साथ ही अलकायदा और आईएसआईएस के बारे में दो इनपुट एजेंसियों ने जारी किए हैं. जिसमें सेना और पुलिस प्रतिष्ठानों पर हमले की तैयारी की जानकारी है।

इंदिरा गांधी की हत्या के बाद से ही यह परंपरा बन गई थी सूत्रों का कहना है कि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद से ही यह परंपरा बन गई थी कि लाल किले पर बुलेटप्रूफ घेरे में ही प्रधानमंत्री का भाषण होगा। लेकिन, सन 2014 में पीएम मोदी ने इस परंपरा को तोड़ा था। इसके साथ ही पिछले वर्ष 2015 में भी उन्होंने खुले में ही भाषण दिया था। इस बार एजेंसियों के सामने बड़ी चुनौतियां हैं।

5 हजार सुरक्षाकर्मी पीएम मोदी की सुरक्षा में लगेंगे: सूत्रों का कहना है कि करीब 5 हजार सुरक्षाकर्मी पीएम मोदी की सुरक्षा में लगेंगे। इसमें पुलिस, सेना, खुफिया एजेंसियों और एसपीजी के कर्मी शामिल होंगे। इसके साथ ही लाल किले से एक किलोमीटर के दायरे में सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी ट्रेंड कमांडो के हाथों होगी। यहीं परिंदे को भी पर मारने की इजाजत नहीं होगी।

इंडोनेशिया में गुरदीप की मौत की सजा पर सस्पेंस जारी, सुषमा ने पत्नी से की फोन पर बात

नई दिल्ली। इंडोनेशिया में ड्रग्स तस्करी के आरोप में मौत की सजा पाए भारतीय नागरिक गुरदीप सिंह को बचाने की भारत सरकार की कोशिशों को गहरा झटका लगा है। इंडोनेशिया सरकार ने परिजनों, मानवाधिकार समर्थकों और विदेशी सरकारों की माफी की सभी अपील ठुकरा दी हैं। गुरदीप समेत 14 लोगों को मौत की सजा सुनाई गई है, जबकि गुरुवार को इनमें से चार को मौत की सजा दे दी गई। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने गुरदीप की पत्नी से फोन पर बात की है। घर में मातम का माहौल है, लेकिन पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों को अब भी आशा है कि पिछली बार की तरह इस बार भी मौत की सजा की व्यवस्था टल जाएगी। जालंधर के हरने वाले 48 साल के गुरदीप को 300 ग्राम हेरोइन के साथ 2004 में गिरफ्तार किया गया था।

एक इंडोनेशियाई, तीन विदेशियों को मौत की सजा : खबरों के मुताबिक, इंडोनेशिया के डिप्टी अटॉर्नी नजरल नूर रामचंद ने बताया कि जिन चार लोगों को गुरुवार रात मौत की सजा दी गई, उनमें से दो नाइजीरिया, एक सेनेगल से और एक इंडोनेशियाई है। बाकी 10 लोगों की सजा की तारीख के बारे में फिलहाल कोई फैसला नहीं लिया गया है। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने बुधवार रात को ट्वीट कर कहा था कि भारत सरकार गुरदीप की सजा रुकवाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है।

मायावती पर अभद्र टिप्पणी मामले में दयाशंकर की गिरफ्तारी पर रोक से इलाहाबाद HC का इंकार

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती को लेकर अभद्र टिप्पणी करने के आरोपी बीजेपी के पूर्व नेता दयाशंकर सिंह की गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इलाहबाद हाईकोर्ट ने इंकार कर दिया है। दयाशंकर की गिरफ्तारी को लेकर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बता दें कि बीजेपी से निष्कासित किए जा चुके दयाशंकर ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की बेंच से अपनी गिरफ्तारी पर स्टे लगाने की अपील की थी। साथ ही बीएसपी नेताओं द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को भी चुनौती दी थी।

उधर दयाशंकर की तलाश में उत्तर प्रदेश पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर रही है, लेकिन वह शनिवार को झारखंड के देवघर में देखे गए। उनकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वह मंदिर में पूजा करते दिख रहे हैं, और उन्होंने मंदिर के बाहर कुछ लोगों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। **अपशब्दों के बदले अपशब्द :** गौरतलब है कि दयाशंकर ने मायावती की अपशब्द कहा था जिसके बाद बीएसपी उग्र हो गई थी और प्रदर्शन भी किया था। लेकिन प्रदर्शन में बढ़ी बात यह रही कि जिन अपशब्दों को लेकर बीएसपी प्रदर्शन कर रही थी उसमे उससे भी बुरे शब्दों का इस्तेमाल किया गया।

निगम ने अब तक जांची 60 हजार से ज्यादा संपत्तियां

इंदौर। नगर निगम ने सबसे पहले स्मार्ट सिटी क्षेत्र में शामिल सात वार्ड में जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) से सर्वे करने का फैसला किया है। फिलहाल चार वार्ड में यह सर्वे किया जा रहा है। पिछले दो माह में 60,830 संपत्तियों का सर्वे पूरा कर लिया है। लक्ष्य है कि दो साल में सभी 85 वार्ड की एक-एक संपत्ति की जांच पूरी कर ली जाए। राजवाड़ा और उसके आसपास के क्षेत्र में प्राथमिकता से यह सर्वे किया गया है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि स्मार्ट सिटी क्षेत्र में सर्वे इसलिए किया जा रहा है ताकि वहां के सटीक आंकड़े सबसे पहले निगम के पास आ जाएं और योजना बनाते वक्त सही आंकड़ों का उपयोग हो सके। स्मार्ट सिटी क्षेत्र में वार्ड-6, 58, 59, 60, 67, 68 और 69 शामिल हैं और अभी निगम 6, 59, 60 और 68 में सर्वे कर रहा है।

सर्वे में देखा जा रहा है कि किस संपत्ति का असल आकार-प्रकार कैसा है और निगम रेकार्ड में क्या दर्ज है? इसके अलावा कौनसी संपत्ति का इस्तेमाल लैंडयूज से अलग हो रहा है यानी कहीं आवासीय लैंडयूज है, लेकिन संपत्ति व्यावसायिक है। सर्वे से निगम को यह भी पता चल सकेगा कि ऐसी कौनसी संपत्तियां हैं जो निगम खाते में दर्ज ही नहीं हैं? ऐसी संपत्तियां तलाश कर निगम उनके खाते खोलेगा। सूत्रों ने बताया कि शहर के बढ़ते आकार के हिसाब से निगम को अपनी आय बढ़ाना निहायत जरूरी हो गया है और जीआईएस सर्वे के तहत वह उसी का इंतजाम कर रही है।

मुंबई बाजार में नहीं करने दिया सर्वे: अधिकारियों ने बताया कि पिछले दिनों सर्वे करने वाली एजेंसी की एक टीम मुंबई बाजार क्षेत्र में संपत्तियों का सर्वे कर रही थी, लेकिन कुछ लोगों ने उनसे विवाद किया और सर्वे नहीं करने दिया। चूंकि टीम के पास सुरक्षा इंतजाम नहीं थे इसलिए वहां सर्वे का काम नहीं हो पाया। निगम के सिटी इंजीनियर महेश शर्मा ने बताया कि कोशिश की जा रही है कि टीम की सुरक्षा के लिए पुलिस या कोई अन्य इंतजाम किए जाएं।

चार वार्ड की मेपिंग पूरी: सिटी इंजीनियर ने बताया कि जिन चार वार्ड में अभी सर्वे हो रहा है, उनकी मेपिंग का काम एजेंसी ने पूरा कर लिया है। जल्द ही डाटा कंपाइल करने का काम भी शुरू किया जाएगा।

निर्माण कार्य में देरी व गड़बड़ी 60 करोड़ के भुगतान पर कैंची

उज्जैन सिंहस्थ 2016 के निर्माण कार्यों में लेटलतीफी या गड़बड़ी होने पर मेला प्रशासन ने 60 करोड़ रुपए से अधिक के भुगतान पर कैंची चला दी है। प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। जहां से हरी झंडी मिलने पर ठेकेदारों के भुगतान काटे जाएंगे। इस मामले में नगर निगम सबसे आगे रहा, जिसने सबसे ज्यादा भुगतान काटे हैं। पहली बार सिंहस्थ के निर्माण कार्यों पर इतनी पेनल्टी लगाई गई है। सिंहस्थ में करीब 3 हजार करोड़ के निर्माण कार्य कराए गए। कुछ काम या तो देरी से हुए या उनकी गुणवत्ता ठीक नहीं रही। इस कारण ठेकेदारों के भुगतान पर कैंची चलाई गई है। नगर निगम ने सबसे अधिक 40 करोड़ की पेनल्टी प्रस्तावित की है। लोक निर्माण विभाग ने भी सड़क के कार्यों के भुगतान रोके हैं। संभागायुक्त डॉ. रविंद्र पस्तोर ने इस बार ठेकेदारों के काम समय पर न होने या खराब पाए जाने पर पेनल्टी लगाने पर जोर दिया था। इसके लिए सिंहस्थ बाद विभागीय अधिकारियों की क्लास भी ली। सूत्रों के मुताबिक करीब 60 करोड़ का भुगतान काटने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया है। हालांकि कुछ विभागों ने बहुत कम पेनल्टी लगाई है। नगर निगम पीएचई ने निर्माण कार्यों में देरी के कारण ठेकेदारों के भुगतान काट दिए हैं।

किया कुछ नहीं नगर निगम ने शौचालय बनाने वाली कंपनी पर करीब 25 करोड़ की पेनल्टी लगाई है। सिंहस्थ से पहले शौचालय बनाने वाली कंपनी ने मेला प्रशासन को बड़े सपने दिखाए थे। प्रजेंटेशन में बताया था कि शौचालय में कांच रहेगा, तौलिया रहेगा और हैंडवाश के लिए भी व्यवस्था रहेगी।

प्रजेंटेशन को देख ठेका पास कर दिया था। सिंहस्थ के दौरान ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि शौचालय के कारण मेला प्रशासन को सबसे ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ा। कहीं नलों से पानी बह निकला तो कहीं पाइप लीकेज हो गए। इन दिक्कतों को ठीक करने वाला कोई कर्मचारी भी मौके पर नहीं था।

उज्जैन। 27जुलाई को वार्ड 51 में महिला मंडल ने पौधा रोपण किया और वार्ड में पौधों का भी वितरण किया आरती खरे, मंजु शर्मा, राखी गंगराडे, अंजू सौलंकी, सरोज सिंह सिसौदिया, सीमा सिसौदिय, संगीता राठी , प्रमिला, रेखा सक्सेना आदि वार्ड की महिलागण उपस्थित थी।

मॉल, शो-रूम में जाकर अफसरों ने जांचे कैमरे

इंदौर। भोपाल के एक शो-रूम के चेंजिंग रूम में कैमरा मिलने की घटना के बाद शहर में भी इसे लेकर सर्तकता बरती जा रही है। इसके लिए प्रशासन ने धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश भी जारी किए हैं।

बुधवार को एसडीम रवीश श्रीवास्तव तहसीलदार राजकुमार हलदर, चरणजीत सिंह की टीम ने सेंट्रल मॉल, टीआई मॉल, जी-सच्चिदानंद और संगीनी साड़ीज के चेंजिंग रूम में कैमरे या अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला। अफसरों ने बताया कि हर सप्ताह रेडिमेड शो-रूम, वॉटर पार्क या अन्य शो-रूमों के जाकर जांच की जाएगी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर पी. नरहरि ने चेंजिंग रूम में कैमरे लगाने पर प्रतिबंध लगाया है, ताकि किसी महिला की निजता के अधिकार पर अतिक्रमण न हो और उनके फोटो या वीडियो न लिए जा सकें। शो-रूम संचालक व दुकानदारों को इस संबंध में संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि चेंजिंग रूम में किसी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं लगाए गए हैं।

आवेदन के बाद पांच साल से इंतजार कर रहे लोग, तीन-तीन बार आवेदन करने के बाद भी नहीं हो रहा काम

सरकार के करोड़ों खर्च, फिर भी नहीं मिले 'आधार'

इंदौर। आधार कार्ड अनिवार्य दस्तावेज बनाकर सरकार इसे लोगों तक पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। इसका काम 6 साल पहले शुरू किया गया था और आज भी इसे बनवाने में कई लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई मामले ऐसे भी हैं जिनमें लोगों ने पांच साल पहले आवेदन किया था या कई बार आवेदन के बाद भी वे भटक रहे हैं।

आवेदन के बाद पांच साल से इंतजार कर रहे लोग, तीन-तीन बार आवेदन करने के बाद भी नहीं हो रहा काम, कभी तकनीकी खामियां तो कभी दस्तावेजों के कारण रिजेक्ट हो रहा आवेदन, कार्ड नहीं मिलने पर गोपनीयता भंग होने की आशंका, पांच साल में तीन बार आवेदन आधार कार्ड बनवाने के लिए नेहा कुमावत 2011 से अब तक तीन बार आवेदन कर चुकी हैं, लेकिन अब तक नहीं बन पाया। अभी भी वे अलग-अलग केंद्रों पर भटक रही हैं।

आधार कार्ड बनवाने में परेशानी के ये तीन केस उदाहरण मात्र हैं, इनके अलावा कई लोग ऐसे हैं जिन्होंने थक-हारकर उमीद ही छोड़ दी। कई लोग ओरिजनल कार्ड के गुम होने और दुरुपयोग की आशंका जता रहे हैं। लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि उन्हें आधार कार्ड क्यों नहीं मिल पा रहा। कार्ड बनाने का डेटा कलेक्ट करने वाली कंपनियों का कहना है अब भी लोगों में जानकारी का अभाव है। ई-आधार डाउनलोड करने की सुविधा काफी समय पहले शुरू हो चुकी है, इसलिए जिनके कार्ड डाक विभाग से नहीं पहुंच रहे हैं, वे अपने कार्ड एनरोलमेंट स्लिप के जरिए वेबसाइट से डाउनलोड भी कर सकते हैं। लोगों का कहना है पंजीयन केंद्रों पर आधार कार्ड की जानकारी लेने पर उनसे फॉर्म रिजेक्ट होने की बात कही जा रही है। फॉर्म रिजेक्ट क्यों हो रहे हैं, इस बारे में कहीं कोई जानकारी नहीं मिल रही है।

30 लाख से ज्यादा बने, रुके कितने पता नहीं : इंदौर जिले में अब तक 30,33,038 आधार कार्ड बन चुके हैं लेकिन कितने फॉर्म पेंडिंग हैं या फिर कितने कार्ड बनने के बाद भी अटके हुए हैं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। कंपनी प्रतिनिधियों का कहना है कि फॉर्म रिजेक्ट होने के कारण और संख्या स्पष्ट नहीं है। बने हुए कार्ड संभवत: डाक विभाग में अटके हुए हैं, जबकि डाक विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उनके यहां कोई कार्ड पेंडिंग नहीं है।

सर्वर डाउन की परेशानी : जो लोग ई-आधार डाउनलोड करना चाहते हैं, वे सर्वर डाउन होने से परेशान हैं। ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने वाली एजेंसियों के अधिकारी-कर्मचारी भी सर्वर की समस्या मानते हैं। फोटो अपडेट करवाने सेंटर पर आए सम्यक पाटोदी ने बताया आवेदन के बाद आधार कार्ड में फोटो तो अपडेट हो गया लेकिन कार्ड प्रिंट करवाने और लेमिनेटेड कार्ड के लिए तीन दिन से चक्कर काटने के बाद भी कार्ड नहीं मिला। सर्वर डाउन होने के कारण काम नहीं हो रहा है। बड़ी लापरवाही है : गुमास्ता नगर के कुणाल शर्मा ने बताया उन्होंने 2011 में आवेदन किया था। करीब 6 महीने में भी आधार कार्ड नहीं मिला तो नेट से डाउनलोड कर लिया। सवाल यह है कि मूल कार्ड गया कहां? मोबाइल सिम खरीदने से लेकर बैंक अकाउंट खुलवाने तक जैसे कई तरह से इसका दुरुपयोग हो सकता है। लोगों तक इनका नहीं पहुंचना बेहद गंभीर है, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। कंपनियां डाक विभाग का नाम लेती हैं जबकि डाक विभाग अलग-अलग कारण बताकर मामला टाल देता है। आधार कार्ड आवेदकों तक पहुंचाने में बड़ी लापरवाही की जा रही है।

छल का शिकार हो रहे लोग : आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया निशुल्क है और प्लास्टिक कार्ड बनाने का ही चार्ज लिया जाता है, लेकिन बार-बार परेशान होने वाले लोगों को कम समय में कार्ड बनाकर देने के नाम पर शुल्क लेने के मामले में सामने आ चुके हैं। शुरुआती दौर में इसमें कई दलाल सक्रिय रहे और बाद में फॉर्म बेचे जाने का मामला भी सामने आया। हवा बंगला क्षेत्र में रहने वाले कृपालसिंह कुमावत ने बताया उन्होंने पहला आवेदन 12 दिसंबर 2011, दूसरा 7 अक्टूबर 2015 और तीसरा आवेदन 25 जून 2016 को किया, लेकिन अब तक कार्ड नहीं बना। दूसरी बार के आवेदन में हमसे आवेदन करने और कार्ड बनाने के नाम पर रुपए लिए गए। इस तरह की समस्या के बीच लोग धोखाधड़ी का शिकार भी हो रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान में सभी के सहयोग की अपील

टीकाकरण चेकअप अभियान 25 जुलाई से 6 अगस्त तक संचालित किया जा रहा है

भोपाल। प्रदेश में इस वर्ष अन्तर्विभागीय (शिक्षा एवं एकीकृत बाल विकास विभाग) समन्वय स्थापित कर शालेय/आँगनवाड़ी टीकाकरण केचअप अभियान 25 जुलाई से 6 अगस्त तक संचालित किया जा रहा है। अभियान की सभी तैयारियाँ जिला कलेक्टर्स की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स द्वारा की गई है। अभियान में 5-6 वर्ष के बच्चों को डीपीटी का दूसरा बूस्टर, 10 एवं 16 वर्ष के बच्चों को टिटनेस टॉक्साईड की एक खुराक एक सीरिंज (एडी) के माध्यम से प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी द्वारा दी जा रही हैं। टीकाकरण कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित करने के लिये सभी परिवारों को प्राचार्यों के माध्यम एवं आशा, आँगनवाड़ी तथा एएनएम द्वारा आपसी चर्चा में जागरूक भी किया जा रहा है । यह बताया जा रहा है कि सभी टीके सुरक्षित, असरकारी एवं हानिरहित हैं। इन्हीं टीकों के माध्यम से प्रदेश ने पूर्व में स्मॉल पॉक्स, पोलियो तथा नवजात शिशु में टिटनेस बीमारी का सफाया किया है। लोक स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि सभी परिवार भय और भ्रांतिमुक्त वातावरण में बच्चों का टीकाकरण करवायें। क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को भी निर्देशित किया गया है कि उचित आवश्यक फालोअप कर कोल्ड स्पंज एवं पैरासिटामॉल द्वारा बुखार, दर्द , सूजन, दरदरेपन को नियंत्रित करें।

मौसमी बीमारियों के कारण यदि इस अभियान के दौरान ठण्ड देकर बुखार आना या उल्टी दस्त की शिकायत के चिन्ह प्रकट होते हैं तो 108 एम्बुलेन्स के माध्यम से जाँच एव निःशुल्क इलाज के लिये पास के अस्पताल में भेजा जाये। संयोगवश बीमारी होना मानकर उसका उचित निदान करवाया जाये। ऐसे लक्षणों का टीकों से कोई भी संबंध नहीं रहता है। प्रदेश में बच्चों को आठ जानलेवा गंभीर बीमारियों से बचाव के टीके उपलब्ध हैं। यह टीके बच्चों की बीमारियों से होने वाली संभावित मौतों की रोकथाम तथा बीमारी से होने वाली महामारियों पर भी नियंत्रण करते हैं। अपील में कहा गया है कि सभी परिवार, शिक्षक एवं स्वास्थ्यकर्मी समन्वय एवं समझ-बूझ से बाल्य जीवन सुरक्षा के इस अभियान को सफल बनायें।

त्रि-स्तरीय पंचायतों का उप निर्वाचन 22 अगस्त को

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उप निर्वाचन 31 मई, 2016 की स्थिति में रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिये होगा। उप निर्वाचन 6,517 पंच, 85 सरपंच, 15 जनपद पंचायत सदस्य और एक जिला पंचायत सदस्य के लिये होगा। आम निर्वाचन 52 पंच और 3 सरपंच पद के लिये होगा।

निर्वाचन कार्यक्रमः निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने का काम एक अगस्त से शुरू होगा। नाम निर्देशन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 8 अगस्त है। नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा 9 अगस्त को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 11 अगस्त है। मतदान 22 अगस्त को सुबह 7 से अपरान्ह 3 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केन्द्र में ही होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की ईवीएम से की जाने वाली मतगणना विकासखण्ड मुख्यालय पर 26 अगस्त को सुबह 8 बजे से होगी।

भोपाल। सागर प्रीमियम टॉवर, दामखेड़ा के रहवासियों ने वृक्षारोपण किया जिसमें रहवासियों व बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।
उपस्थित सदस्यों के नामः अध्यक्ष अरुण तिवारी, सचिव दवे, राजीव, शैलेश जैन, विक्रम वर्मा, वालियाजी, शिवराज, हरीश चंदवानी एवं बच्चें ने समय दिया।

पहल | **हाऊस फॉर ऑल प्रदेश सरकार का लक्ष्य**

जन-प्रतिनिधियों के लिये आवासीय योजना सराहनीय पहल

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हाऊस फॉर आल हमारा लक्ष्य है। प्रदेश सरकार भू-खण्ड के पट्टे वितरित कर रही हैं। जिन पर मकान बनाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जनता के मकानों के साथ ही जन-प्रतिनिधियों के लिये भी आवास योजना सराहनीय पहल है। श्री चौहान ने यहाँ सांसदों एवं विधायकों की आवासीय परियोजना रचना टावर्स के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जन-प्रतिनिधि की जिन्दगी का जो सच सामने आता है, वही वास्तविकता नहीं है। उनकी अधिकारिता और जय-जयकार की बातें तो होती हैं लेकिन उनकी तपस्या और परिश्रम की बात सामने नहीं आती है। जनता के स्वागत के लिये सुबह से शाम तक जन-प्रतिनिधियों को कितना श्रम करना पड़ता है, इसकी कल्पना करना भी आसान नहीं है। सार्वजनिक जीवन में कर्म की भट्टी में जन-प्रतिनिधि को तपना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत जिन्दगी समाप्त हो जाती है। रात की नींद, दिन का चैन नहीं रहता। उन्होंने कहा कि अत्यंत पीड़ा के साथ कहना पढ़ रहा है कि ऐसे कई जन-प्रतिनिधि जब रिटायर होते हैं तो उनके लिये इलाज की व्यवस्था भी कठिन हो जाती है। जिन्दगी बोझ सी बन जाती है। उन्होंने कहा कि इस योजना से जन-प्रतिनिधियों को भोपाल में एक ठिकाना मिल जायेगा। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि योजना के लिये भूमि किसी का घर उजाड़कर नहीं बेहतर ढंग से पुनर्वासित कर प्राप्त की गई है। उन्होंने कहा कि योजना लम्बे समय से लंबित थी, अब योजना निश्चित अवधि में पूर्ण होनी चाहिये।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीताशरण शर्मा ने कहा कि योजना से प्रदेश के जन-प्रतिनिधियों को राजधानी में आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। राज्य मंत्री सहकारिता श्री विश्वास सारंग ने आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि योजना को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करवाने का प्रयास किया जायेगा। स्वागत उद्बोधन विधानसभा आवास समिति के अध्यक्ष श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने दिया। विधानसभा प्रमुख सचिव श्री ए.पी. सिंह ने बताया कि योजना में दस मंजिला आठ टॉवर निर्मित किये जायेंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर योजना का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष विधानसभा डॉ. राजेन्द्र सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री गोपाल भार्गव, संसदीय कार्य एवं जल संसाधन मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनीस, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती ललिता यादव, नेता प्रतिपक्ष श्री बाला बच्चन और वर्तमान और पूर्व विधायक, सांसद उपस्थित थे।

मेधावी बच्चों की शिक्षा में धन की बाधा समाप्त होगी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मेधावी बच्चों की शिक्षा में धन की बाधा को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिक फीस होने के कारण किसी भी जाति अथवा समाज का मेधावी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहे, ऐसे प्रयास किये जा रहे हैं। श्री चौहान ने विधानसभा में छतरपुर जिले के बिजावर विकासखण्ड के मेधावी छात्र-छात्राओं से चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर विधायक श्री पुष्पेन्द्रनाथ पाठक भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में शिक्षा के लिये अधिक फीस की आवश्यकता होती है। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने से कई मेधावी छात्र फीस नहीं दे पाते। अब धन के अभाव में मेधावी बच्चे शिक्षा से वंचित नहीं हो, इसके लिये उनकी फीस सरकार भरे और नौकरी मिलने के बाद वे आसानी से उसे लौटा सकें, ऐसी योजना का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सफलता के लिये निरंतर प्रयास और संकल्प की आवश्यकता है। उन्होंने विवेकानंद के विचारों का उल्लेख किया।

सम्पादकीय

खुशियों का मंत्रालय

कितनी खुशी और किसकी खुशी

अभी हाल ही मे हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज जी ने यू. ए. इ की तर्ज पर खुशियों का मंत्रालय शुरू करने की घोषणा की है। इसके परिणाम कितनी खुशाली लाएंगे ये तो इसके प्रभावी होने पर ही पता प`गा की इस मंत्रालय के आने से खुशी या आनंद किसे मिलेगा? इसे चालू करने से प्रदेश सरकार पर कितना अतिरिक्त व्यय बढ़ंगा ?

हैप्पीनेस मंत्रालय अस्तित्व मे आने वाला है, यद्यपि आम जनता को खुशी देने के लिए इस मंत्रालय का गठन करने की शासन की योजना हैं , परंतु क्या हैप्पीनेस मंत्रालय के गठन से ही प्रदेश की जनता को खुशी मिल सकेंगी या हैप्पीनेस मंत्रालय किसी विधायक या रसूखदार जनसेवक को उपकृत कर उसे खुशी देने के लिए बनाया जा रहा है। जबकि हैप्पीनेस मंत्रालय को लेकर पार्टी व संगठन के भी कुछ लोगो भी अंदर ही अंदर खिल्ली उड़ा रहे। खुद इनके पुर्व मंत्री ने कहा था भूतो को भगाने का काम करेगा हैप्पीनेस मंत्रालय।

एक तरफ तो भाजपा सरकार कहती हैं की ये गरीबों की सरकार हैं, तो गरीबों को खुशी तब ही मिलेगी जब उनकी जमीनी जरूरत पूरी हो। उनके लिए आज भी जरूरी हैं रोटी, कपडा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जिसके लिए गरीब आदमी परेशान हैं। जब ये सब मिलेगा तब गरीब जनता खुशी के बारे मे सोचेगी ।

अभी कई ऐसे मंत्रालय हैं जिनका काम सुचारु रूप से नहीं चल रहा व प्रदेश की जनता खुश नहीं हैं। सही मायने मे आज भी गरीब परेशान हैं, शासन की कई योजनाएं गरीबो तक पहुंच नहीं पा रही हैं। कई जगह स्कूल हैं पर शिक्षक उपलब्ध नहीं, कई जगह राशन की दुकानों से गरीबो को राशन नहीं मिल पाता, ऐसे कई उदाहरण हैं जिनको ले कर सरकार को कुछ कदम उठाना चाहिए जिससे इन विभागों मे सुधार आये।

आज भी अस्पतालों की हालत खराब हैं। मरीज को या तो डॉक्टर नहीं मिलता और यदि मिलता हैं तो गलत दवा या डॉक्टर का गलत व्यवहार गरीब को मार देता हैं। नकली दवाओं का गोरख धंदा आज भी बदस्तूर जारी हैं।

अभी हाल ही मे राजधानी भोपाल की हकीकत सामने आ गयी जहां सारे अफसर व मुख्यमंत्री के होते हुए भी एक ही बारिश ने सबको हिला कर रख दिया व कई लोगो की मौत हो गयी। ये पूरे विभागों की कमी व अफसरों की लापरवाही सिद्ध करता हैं।

ऐसे कई गांव जहाँ आज भी हैं जहां पानी की कमी हैं, किसान परेशान हैं , बच्चे कुपोषित हैं, महिलाएं प्रताशित हैं, भ्रष्टाचार व महंगाई का दानव गरीबों को खा रहा हैं। आरक्षण का मुद्दा फिर गरमा रहा हैं और सामान्य श्रेणी में जो लोग बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही हैं। व्यापम घोटाला कई लोगो की बलि ले कर आज भी एक रहस्य ही बना हुआ हैं।

आज भी कुपोषण मध्यप्रदेश की एक बड़ी समस्या बना हुआ है स्वास्थ्य मंत्री के कई अश्वासनों के बाद भी आज भी डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। राजधानी के बड़े अस्पताल जैसे हमीदिया व जेपी अस्पतालों में करोड़ो खर्च करने के बावजूद गरीब परेशान ही होता है । अभी हालही में इंदौर में गलत ऑक्सीजन दिये जाने का मामला सुर्खियों में था परंतु इस ओर सुधार के कोई कदम उठते हुए नजर नहीं आ रहे है।

हमारे मुख्यमंत्री घोषणा करने मे देर नहीं करते हैं, पर साथ ही उन्हे ये भी देखना चाहिए की जो घोषणा उन्होंने की हैं वो फाइलों मे ही हैं या लोगो तक पहुंच भी रही हैं। क्या वाकई उसका लाभ लोगो को मिल भी रहा हैं या नहीं ।

मुख्यमंत्री जी मेरा आपसे निवेदन हैं पहले मौजूद मंत्रालयों को सुधारे फिर नए मंत्रालयों की सोंचे और हैप्पीनेस मंत्रालय नहीं पहले ऐसा मंत्रालय लाये जिससे गरीबो और दुखियारों का भला हो।

- पराग वराडपांडे

डिजिटल इंडिया की ओर अग्रसर उच्च शिक्षा

प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एडमिशन से लेकर अंक सूची लेने तक की प्रक्रिया ऑनलाइन की जा रही है। विद्यार्थी फीस भी ऑनलाइन भर सकते हैं। सभी महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में वाई-फाई सुविधा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य है। अभी तक 264 महाविद्यालय एवं सभी विश्वविद्यालय में वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध करवा दी गयी है। इस वर्ष 100 महाविद्यालय में यह सुविधा दी जायेगी। इसके साथ ही 177 महाविद्यालय में डिजिटल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध करवायी गयी है।

प्रदेश के 101 महाविद्यालय में वर्चुअल कक्षाओं का संचालन हो रहा है। स्नातक स्तर पर 400 और स्नातकोत्तर में 80 से अधिक ई-व्याख्यान हो चुके हैं। आगामी वर्ष में 25 अन्य महाविद्यालय को इससे जो ना है। आधुनिक तकनीक से शिक्षण व्यवस्था के लिए शासकीय महाविद्यालयों में स्मार्ट क्लास रूम बनाये जा रहे है। इस वर्ष एक करो का प्रावधान है। विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से ई-लायब्रेरी बनायी जा रही हैं। प्रदेश में 83 महाविद्यालय में ई-लायब्रेरी की स्थापना की गयी हैं। 20 महाविद्यालय में इसका कार्य प्रस्तावित है। वर्ष 2016-17 में इसके लिए 350 लाख का प्रावधान किया गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग विद्यार्थी बेहतर ढंग से कर सकें, इसके लिए प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन देने की योजना है। उ%च शिक्षा विभाग पेपरलेस आफिस के कांसेप्ट में कार्य कर रहा है। सभी पत्र एवं निर्देश महाविद्यालयों को आनलाइन भेजे एवं मंगवाये जाते हैं। सेक्योर ई-मेल सर्विस भी शुरू की गयी है। विभाग में कर्मचारी-अधिकारी की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी महाविद्यालय में बायोमीट्रिक मशीन लगायी जा रही हैं।

विषय निरंतरता के आवेदन भी ऑनलाइन

योजनाओं की सतत मॉनीटरिंग के लिये स्काइप के माध्यम से अग्रणी महाविद्यालयों के प्राचार्य और क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालकों को उचच शिक्षा आयुक्त कार्यालय से जोड़ा गया है। सत्र 2015-16 में पहली बार प्रायवेट महाविद्यालयों में विषय एवं पाठ्यक्रम की निरंतरता संबंधी आवेदन ऑनलाइन प्राप्त किये गये। एन.सी.टी.ई. से संबंधित पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिये भी ऑनलाइन आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण किया गया। बी.पी.एड., एम.पी.एड. और एम.एड. पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया भी ऑनलाइन की गई।

व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ: विद्यार्थियों में पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ ही उन्हें भारतीय संस्कृति और परम्परा की जानकारी देने के उद्देश्य से व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ का गठन किया गया। इसके जरिये पहला व्याख्यान दृष्टि बदलेगी तो सृष्टि बदलेगी पर हुआ। इसके बाद हर माह महाविद्यालयों में विभिन्न विषय पर व्याख्यान करवाये जा रहे हैं। इससे लगभग एक लाख 20 हजार विद्यार्थी लाभान्वित हुए। सभी शासकीय महाविद्यालय में व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ स्थापित हो चुके हैं। सभी जिलों में युवा केन्द्र की स्थापना की गयी है।

महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की उपलब्धता और माँग के अनुसार विषयों का युक्ति-युक्तकरण किया गया। भोपाल में ही लगभग 750 पद का युक्ति-युक्तकरण किया गया। यह प्रक्रिया सभी जिलों में की जायेगी। महाविद्यालयों में शैक्षणिक स्टॉफ की कमी को दूर करने के लिये 2163 रिक्त पद की भर्ती की प्रकिया मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा की जा रही है। विभिन्न विभाग में प्रतिनियुक्ति में पदस्थ 175 प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर उन्हें महाविद्यालयों में पदस्थ किया गया है।

विज्ञापन एवं समाचार हेतु
सम्पर्क करें:
उज्जैन : मुकेश शर्मा, 9425093901
आगर : अशोक परिहार, 9826536618

(Wanted Dealer for Bhopal - Product Apna GPS System)

SAAP SOLUTION

Explore New Digital World

- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

क्या आप जानते है बढता हुआ बच्चे का वजन उतना ही घातक हो सकता है जितना घटता हुआ वजन आइये इसे समझ लेते है

हर्षा भटनागर
(रजिस्टर्ड डायटीशियन)

कुपोषण हमारे देश की एक बहुत बड़ी समस्या है कुपोषण का अभिप्रायः सिर्फ घटते हुए वजन से नहीं बल्कि बढ़ते हुए वजन से भी होता है किसी भी पोषक तत्व (जैसे ऊर्जा /प्रोटीन आदि) की कमी या अधिकता कुपोषण की स्थिति को जन्म देती है इससे बहुत आसानी से बचा जा सकता है अगर हम कुछ बातों को समझ लें

1) बच्चों के आहार में घी/तेल/मलाई/मक्खन आदि के समावेश की मात्रा पर नजर रखे अत्यधिक घी और डालडा के प्रयोग की बजाये तेल का ही सही मात्रा में उपयोग करे एक ही तेल का उपयोग करने की बजाय तेल का बदल बदल के उपयोग करे जैसे सनफ्लॉवर/सैफफ्लॉवर/सोयाबीन/मूंगफली/सरसो/नारियल आदि।
2) बाहरी खाद्य पदार्थो जिन्हे जंक फूड भी कहते है जैसे पिज्जा/बर्गर/नूडल्स आदि का उपयोग करने की बजाये उन्हें घर मे बना के करे मैदे और चीज की बजाये उसमें गेहूं के आटे या घर में बना हुआ पनीर डाले।
3) एक समय मे अत्याधिक खाने से बच्चे को रोके जब तक न खाने दे जब तक डकार न आये, नियमित अंतराल में खाना खाना सिखाए।
4) बच्चों में किसी तरह का प्रेशर न डाले क्यूंकि बढ़ता हुआ तनाव हार्मोनल असंतुलन पैदा करता है जैसे थाइरोइड (हाइपो थाइरोइड) आदि जिससे बॉडी मेटाबोलिक रेट काम हो जाता है वा अत्याधिक वजन का बढ़ना देखा जाता है।
5) बच्चे की दिनचर्या पे भी अपनी नजर रखे उसको खेल कूदने/पेंटिंग करने/डांस करने/गाना गाने आदि का समय दे वा अपने भाव को व्यक्त करने की आजादी दे उसपे हावी न होए उसके पसंद की रेसिपीस को बनने

मे रुची ले विटामिन में भी उसकी पसंद के अनुरूप आहार दे।

6) आजकल कई स्कूलों मे भी दिन का खाना दिया जाने लगा है बच्चे से पूछे आज उसने क्या खाया वा कितना खाया अगर अत्याधिक तली चीनी दी जा रही है तो उसपे नजर रखे वा उचित कार्यवाही करने का प्रयास करे।
7) आप भी वही करे जो आप बच्चों को सीखना चाहते है क्यूंकि माता- पिता ही बच्चे के सबसे पहले गुरु वा रोल मॉडल होते है अगर आप सुबह चाय पी रहे है तो बच्चे से दूध की उम्मीद करना गलत है सबसे पहले अपनी आदत सुधारे और फिर बच्चे को सिखाए।
8) रिवॉर्ड या प्रोत्साहन के रूप मे खाने को शामिल न करे जैसे बच्चा अगर प्रथम आये तो डेरी मिलक देना/पिज्जा पार्टी देना/डोमिनोस पार्टी देना आदि को जगह न दे बल्कि नयी जगह घुमाना/नया खेल कूद का सामान दिलाना को शामिल करे।
9) टी वी देखते हुए न आप खाना खाये न बच्चे को खाने दे इससे खाने की मात्रा का हिसाब नहीं रहता वा स्वाद नहीं लिया जा सकता इसलिए मानसिक रूप से शांत रह कर आहार ले वा उसमें मौजूद पोषक तत्वों का लाभ उठाये।
10) अत्याधिक पढ़ाई ट्यूशन क्लासेज/हॉबी क्लासेज की वजह से समय न मिलने की वजह से खाना न खाना भी बढ़ते हुए वजन को बढ़ावा देता है अर्थात् इससे बचें।
11) माताओ के चिंतन का मुख्य विषय होता है बच्चे का दुबला होना वा इसके लिए बिना किसी सलाह के पाउडर और वजन बढ़ाने वाली दवाइयों का इस्तेमाल करना भी अत्याधिक वजन बढ़ा देता है क्यूंकि इसे असहनीय भूख लगती है इससे बचें।
12) अगर माता- पिता के परिवार मे पहले से मोटापे की शिकायत है तो आने वाली पीढ़ी को इससे बचाना भी एक जिम्मेदारी है अर्थात् इसे अच्छी तरह निभाए।

बच्चों का ध्यान कैसे रखे

बच्चे भगवान् द्वारा भेजे हुए फरिश्ते होते है इनकी सेहत का ध्यान रखना हमारी जिम्मेंदारी है आइये उनका खान पान समझ लेते है।

1) जन्म के तुरंत बाद आधे से एक घंटे के भीतर ही स्तनपान करवाना चाहिए यह हमारा कर्त्तव्य है और शिशु का अधिकार है वह पहला आहार है जन्म से छः माह तक शिशु को सिर्फ स्तनपान ही करवाना चाहिए ऊपर कुछ भी नहीं यहां तक इस गर्मियों में भी पानी भी नहीं देना चाहिए इससे बीमारी का खतरा बड़ जाता है।
2) 180 दिन पूरे होने के बाद माँ के दूध के साथ साथ ऊपरी आहार की शुरुवात करनी चाहिए जैसे खिचड़ी/दाल /उबला आलू/दलीय/अछि तरह पक हुआ चावल आदि जो अछि तरह भाप में पका हो एवं मसला हुआ हो क्यूंकि सिर्फ माँ के दूध से बढ़ती हुई शारीरिक जरूरतों को पूरा नहीं किया जा सकता है।
3) धीरे-धीरे जब बच्चा ठोस आहार लेने मे सक्षम हो जाता है तो उनमे दूध न पीने की समस्या देखि जाती है जो की बहोत आम है किस तरह दूध का समावेश करे आइये समझ लेते है।
4) रोटी या पराठा बनाते समय आटे को पानी की जगह दूध एवं मलाई से माड ले आटा उतना ही माडे जितना उसी समय उपयोग मे लाना हो फ्रिज में रखने से बचें।
5) अगर बच्चे को मीठा पसंद है तो दूध मे पकी हुई खीर या हलवा के रूप में दूध का समावेश कर सकते है जैसे ओट्स /चावल /दलीय/रवा/लौकी/ गाजर /खजूर आदि की खीर या हलवा सेहत के लिए लाभकारी है इसी तरह उपमा बनाते समय पानी की जगह दूध या मट्ठा डाल के पकाये।
6) दूध को दही के रूप मे लेना भी बहुत फायदेमंद है यह अधपचा हुआ होता है एवं आसानी से पचता है मीठा (आम दही /केला दही/एप्पल दही आदि) या नमकीन दही जैसे (लौकी का दही/आलू दही ककड़ी दही आदि) के रूप मे बच्चों के लिए बहुत अच्छा है।
7) पनीर के रूप मे दूध का उपयोग किया जा सकता है और बच्चों को पसंद भी आता है घर मे बना हुआ पनीर ही उपयोग मे लाये जैसे पनीर की खीर /पनीर का पराठा/पनीर का पिज्जा/पनीर के पकोड़े/पनीर की सब्जी आदि का समावेश किया जा सकता है।
8) दूध सादा देने की बजाये शेक के रूप मे दे जैसे मेंगो शेक/बनाना शेक/चीकू शेक/ ड्रायफ्रूट्स शेक/ स्ट्रॉबेरी शेक आदि।

कैल्शियम और आयरन सेंडविच रेसिपी

1) दूध की मलाई मे इलायची पाउडर व् गुड को अछी तरह मिलाये।
2) इस मिश्रण को सादी ब्रेड में अच्छी तरह लगा दे एवं दूसरी ब्रेड उस पर रख दे।
3) इस सेंडविच को ऐसे ही या ठंडा करके सर्व करे।
4) ब्रेड पकोड़ा बनाते वक्त पहले ब्रेड को दूध में डूबोले फिर बेसन के घोल में लपेट कर फ्राई करें इससे उसमें कैल्शियम को बढ़ाया जा सकता है व पकोड़े नरम वा ज्यादा स्वादिष्ट बनेंगे, हरी चट्नी के साथ सर्व करें जो आयरन से भरपूर है।

नोटः हमारे रजिस्टर्ड डायटिशियन से सम्पर्क हेतु लिखे

Email: info@ayushsamadhaan.com

सफल होने के लिए पढ़ें न्यूजपेपर...

बचपन के दिनों में बड़े-बुजुर्ग हमेशा इस बात पर जोर डालते थे कि सुबह उठते ही पहला काम न्यूजपेपर पढ़ना होना चाहिए. हम ऐसा करके खुद को देश-दुनिया में हो रही घटनाओं और सुर्खियों से अपडेट रखते हैं. साथ ही अपनी भाषा और वर्तनी में भी लगातार सुधार करते हैं. हालांकि समय बीतने के साथ-साथ हम अपनी इस आदत को पीछे छोड़ते जा रहे हैं. टेक्नोलॉजी पर लगातार आश्रित रहने की वजह से हम वर्चुअल वर्ल्ड में ज्यादा और रीयल वर्ल्ड में कम रह रहे हैं. इससे नुकसान सिर्फ और सिर्फ हमारा हो रहा है. ऐसे में जानें कैसे न्यूजपेपर पढ़ने की आदत आपको सक्सेसफुल बनाने में कारगर साबित होती है...

1. सुबह जल्दी उठने की आदत...

आपका पेपर वेंडर रोज सुबह अखबार फेंक कर जाता है. यदि आप पेपर पढ़ने के लिए जगने की आदत डाल लेंगे तो आप सूर्योदय के साथ-साथ जग जाते हैं. आपके पास पूरा दिन पड़ा होता है. सुबह उठने की वजह से आप सुबह की ठंडी और साफ हवा से रू-ब-रू भी होते हैं. ऐसा करना आपके लिए लॉन्ग रन में सहयोगी होता है.

2. आप जनरल नॉलेज से अपडेट रहते हैं...

कहा जाता है कि आज के अखबारों की लीड खबरें कल जनरल नॉलेज किताब के पन्नों में होती हैं. किसी भी सजग स्टूडेंट और खास तौर पर जनरल कंपटीशन की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स अखबार से जितनी जल्दी दोस्ती कर लें उतना बेहतर.

3. लैंग्वेज में सुधार होता है...

अब इस बात में तो कोई शक नहीं कि सिर्फ अच्छे रीडर्स ही अच्छे लीडर्स हो सकते हैं. अखबार को लगातार पढ़ने से आप अपने लैंग्वेज स्किल में जबरदस्त इंप्रूवमेंट को महसूस कर सकेंगे. साथ ही आपकी डिक्शनरी में इंप्रूवमेंट होगा.

4. किसी भी तरह के ग्रुप डिस्कशन में अव्वल रहते हैं...

अब इस बात से तो सारे स्टूडेंट्स वाकिफ होंगे कि ग्रुप डिस्कशन पढ़ाई-लिखाई में बेहतर परफॉर्म करने में हेल्पफुल होता है. स्टूडेंट्स सेल्फ स्टडी के बाद ग्रुप डिस्कशन से ही निखरते हैं. वे अपनी बातों को बिना किसी हिचकिचाहट के कहीं भी रखने में सहज होते हैं. इस काम में न्यूजपेपर उनके आपका सबसे अहम साथी हो सकता है.

5. वर्ड पावर में जबरदस्त इजाफा...

रोज अखबार पढ़ने के फायदों में अव्व्ल है कि आपके वर्ड पावर में इजाफा होता है, और आज किसी भी तरह के बढ़िया प्रतियोगिता और नौकरी के लिए अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय होता है. ऐसे में आपका रोजाना न्यूजपेपर पढ़ना हर तरह से फायदेमंद साबित होगा।

यूपीएससी की तैयारी के लिए क्या-क्या करें...

कहते हैं कि हमारे देश में दो तरह के स्टूडेंट्स होते हैं. अव्वल वे जो UPSC की तैयारी करते हैं और दूसरे वे जो UPSC की तैयारी नहीं करते. UPSC बोले तो Union Public Service Commision. हमारे देश की सबसे प्रतिष्ठित सेवाओ में शुमार की जाने वाली परीक्षा. जिसकी परीक्षा में सफल होने के बाद लोग किसी जिले के मजिस्ट्रेट, पुलिस महकमे में आला अफसर और किसी मंत्रालय में अधिकारी के तौर पर जिम्मेदारी संभालते हैं. मगर क्या आप इस बात से वाकिफ हैं कि UPSC की तैयारी के लिए क्या किया जाना चाहिए और क्या नहीं ? ऐसे में जानें तैयारी के लिए कुछ बेहद जरूरी सुझाव...

1. सिलेबस की पूरी समझ बना लें...

UPSC के परीक्षा स्ट्रकचर को समझना बहुत जरूरी है. ऐसा न हो कि आपकी मेहनत बिना किसी वजह के हो. UPSC के सिलेबस को न सिर्फ देखना बल्कि उसे जज्ब कर लेना. पिछले साल के क्वेश्चन पेपर्स का अभ्यास करना और उनके हिसाब से अपनी आगे की तैयारी करना भी जरूरी है.

2. न्यूजपेपर पढ़ने की आदत डालना... अब इस बात से तो लगभग सभी वाकिफ होंगे कि न्यूजपेपर को लगातार पढ़ना कितना फायदेमंद हो सकता है. इस मामले में यदि आप किसी भी सफल UPSC कैंडिडेट से बात करेंगे तो वह अखबार पढ़ने को सबसे ऊपर रखेगा.

3. NCERT की किताबें पढ़ें... UPSC की परीक्षाएं छोटे-मोटे बदलावों को छोड़ कर अधिकांशत: एक ही ढर्रे पर चलती हैं. इन परीक्षाओं में सफल होने के लिए NCERT की किताबें खास तौर पर सोशल साइंस की किताबें जरूर पढ़ी जानी चाहिए।

वैसे तो इन सारी किताबों को हम-आप अपने स्कूली दिनों में पढ़ ही चुके होंगे लेकिन इन किताबों को फिर से पढ़े जाने की जरूरत होगी. इन सारी किताबों को पढ़ कर आप अपना बेस तैयार करेंगे.

4. ऑप्शनल सब्जेक्ट समझदारी से चुनें... कॉलेज जाने वाले और UPSC की तैयारी करने वाले तमाम स्टूडेंट्स को पिछले साल के सवालों और UPSC के सिलेबस के हिसाब से ऑप्शनल सब्जेक्ट की भी तैयारी शुरू कर देनी चाहिए. ताकि अभ्यर्थी ऑप्शनल सब्जेक्ट की पहले ही तैयारी कर लें. ऐसा करना उन्हें दूसरों से आगे कर देता है.

5. मशहूर लेखकों की किताबें पढ़ें... अब ऐसा तो हो नहीं सकता कि आप दिन भर सिलेबस और परीक्षा की ही तैयारी में लगे रहें. सिलेबस की चीजों के अलावा भारत के इतिहास और राजनीति पर लिखने वाले जाने-माने लेखकों की किताबें जरूर पढ़ें. उन्हें पढ़ने से एक तो आपका मन भी लगा रहता है और दूजा आप महत्वपूर्ण जानकारियां भी इकट्ठी करते हैं।

"SWATI TUTION Classes"
Don't waste time
Rush Immediately for Coming Session 2016-2017
Personalized Tutions up to 7th Class for All Subjects
Special Classes for Sanskrit
CONTACT : SWATI TUTION CLASSES
SAGAR PREMIUM TOWER, D-BLOCK, FLAT.NO.007
MOBILE-9425313620, 9425313619

यहां मां गंगा खुद करने आती हैं शिव जी का जलाभिषेक...

झारखंड के रामगढ़ में एक मंदिर ऐसा भी है जहां भगवान शंकर के शिवलिंग पर जलाभिषेक कोई और नहीं स्वयं मां गंगा करती हैं. मंदिर की खासियत यह है कि यहां जलाभिषेक साल के बारह महीने और चौबीस घंटे होता है. यह पूजा सदियों से चली आ रही है. माना जाता है कि इस जगह का उल्लेख पुराणों में भी मिलता है. भक्तों की आस्था है कि यहां पर मांगी गई हर मुराद पूरी होती है.

झारखंड के रामगढ़ जिले में स्थित इस प्राचीन शिव मंदिर को लोग टूटी झरना के नाम से जानते है. मंदिर का इतिहास 1925 से जुड़ा हुआ है और माना जात है कि तब अंग्रेज इस इलाके से रेलवे लाइन बिछाने का काम कर रहे थे. पानी के लिए खुदाई के दौरान उन्हें जमीन के अन्दर कुछ गुम्बदनुमा चीज दिखाई पढ़ा. अंग्रेजों ने इस बात को जानने के लिए पूरी खुदाई करवाई और अंत में ये मंदिर पूरी तरह से नजर आया.

शिव भगवान की होती है पूजा

मंदिर के अन्दर भगवान भोले का शिव लिंग मिला और उसके ठीक ऊपर मां गंगा की सफेद रंग की प्रतिमा मिली. प्रतिमा के नाभी से आपरूपी जल निकलता रहता है जो उनके दोनों हाथों की हथेली से गुजरते हुए शिव लिंग पर गिरता है. मंदिर के अन्दर गंगा की प्रतिमा से स्वंय पानी निकलना अपने आप में एक कौतुहल का विषय बना है.

मां गंगा की जल धारा का रहस्य

सवाल यह है कि आखिर यह पानी अपने आप कहा से आ रहा है. ये बात अभी तक रहस्य बनी हुई है. कहा जाता है कि भगवान शंकर के शिव लिंग पर जलाभिषेक कोई और नहीं स्वयं मां गंगा करती हैं. यहां लगाए गए दो हैंडपंप भी रहस्यों से घिरे हुए हैं. यहां लोगों को पानी के लिए हैंडपंप चलाने की जरूरत नहीं पड़ती है बल्कि इसमें से अपने-आप हमेशा पानी नीचे गिरता रहता है. वहीं मंदिर के पास से ही एक नदी गुजरती है जो सूखी हुई है लेकिन भीषण गर्मी में भी इन हैंडपंप से पानी लगातार निकलता रहता है.

दर्शन के लिए बड़ी संख्या में आते हैं श्रद्धालु

लोग दूर-दूर से यहां पूजा करने आते हैं और साल भर मंदिर में श्रद्धालूओं का तांता लगा रहता है. श्रद्धालुओं का मानना हैं कि टूटी झरना मंदिर में जो कोई भक्त भगवान के इस अदभुत रूप के दर्शन कर लेता है उसकी मुराद पूरी हो जाती है. भक्त शिवलिंग पर गिरने वाले जल को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं और इसे अपने घर ले जाकर रख लेते हैं. इसे ग्रहण करने के साथ ही मन शांत हो जाता है और दुखों से लड़ने की ताकत मिल जाती है.

ऐसा मंदिर जहां शिवलिंग पर चढ़ाई जाती है झाड़ू...

भगवान शिव पर दूध, जल, बेलपत्र और धतूरा तो आपने चढ़ाया होगा. इन सभी के अलावा एक ऐसा शिव मंदिर है जहां भक्त महादेव की आराधना झाड़ू चढ़ाकर करते हैं.

उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद जिले में बीहाजोई गांव के प्राचीन पतालेश्वर शिव मंदिर है. जहां भक्तों की लंबी कतारें लगती हैं. इस मंदिर में भगवान शिव की अराधना करते हुए लोग उन्हें झाड़ू चढ़ाते हैं. पतालेश्वेर मंदिर के प्रति भक्तों की अनोखी श्रद्धा है. यहां भगवान शिव को लोग दूध, जल और फल के साथ-साथ सीखों वाली झाड़ू उनके शिवलिंग पर अर्पित करते हैं.

मान्यता है की इस मंदिर में भगवान शिव को झाड़ू चढ़ाने से हर मनोकामना पूरी होती है. भक्तों का मानना है कि झाड़ू चढाने से भोलेनाथ खुश हो जाते हैं और इससे त्वचा संबंधी रोगों से छुटकारा मिलता है. भगवान शिव का यह मंदिर पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है. इस मंदिर के पुजारी का कहना है कि यह मंदिर करीब 150 साल पुराना है.

क्यों चढ़ाते हैं झाड़ू: यहां झाड़ू चढ़ाने की प्रथा भी बहुत पुरानी है. शिवजी को झाड़ू चढ़ाने के लिए लोग हर दिन घंटों लाइन में खड़े रहते हैं. इसके अलावा यहां दर्शन करने के लिए भी सैकड़ों भक्त आते हैं.

कहते हैं कि इस गांव में भिखारीदास नाम का एक व्यापारी रहता था, जो बहुत धनी था. लेकिन उसे त्वचा संबंधी एक बड़ा रोग था. एक दिन वह इस रोग का इलाज करवाने जा रहा था कि अचानक से उसे प्यास लगी।

तब वह महादेव के इस मंदिर में पानी पीने आया और वह मंदिर में झाड़ू लगा रहे महंत से टकरा गया. जिसके बाद बिना इलाज ही उसका रोग दूर हो गया. इससे खुश होकर सेठ ने महंत को धन देना चाहा पर महंत ने वह लेने से मना कर दिया. इसके बदले उसने सेठ से यहां मंदिर बनवाने के कहा. तभी से इस मंदिर के लिए यह बात कही जाने लगी कि त्वचा रोग होने पर यहां झाड़ू चढ़ानी चाहिए. जिससे लोगों की तकलीफ दूर हो जाती है. इसलिए आज भी श्रद्धालु यहां आकर झाड़ू चढ़ाते हैं।

गणेश जी को बतानी है मन की बात तो चिट्ठी इसे पते पर भेजो...

इस देश में जगह-जगह आस्था और विश्वास के अद्भुत उदहारण देखने को मिलते हैं. आज के जमाने में जहां इंटरनेट, ई-मेल और फोन का चलन है. वहां एक ऐसी भी जगह जहां लाखों की तादाद में चिट्ठियां भेजी जाती हैं. यह चिट्ठियां किसी इंसान को नहीं बल्कि गणनायक भगवान गणेश को भेजी जाती हैं।

उदयपुर में एक मंदिर ऐसा भी, कुंड स्नान से मिलता है पाप मुक्ति सर्टिफिकेट जी हां, राजस्थान के रणथंभौर में एक मंदिर ऐसा है जहां गणपति को हर शुभ काम से पहले चिट्ठी भेजकर निमंत्रण दिया जाता है. इसलिए यहां हमेशा भगवान के चरणों में चिट्ठियों और निमंत्रण पत्रों का ढेर लगा रहता है.

मंदिर की स्थापना: राजस्थान के सवाई माधौपुर से लगभग 10 किमी. दूर रणथंभौर के किले में बना गणेश मंदिर भगवान को चिट्ठी भेजे जाने के लिए जाना जाता है. यहां के लोग घर में कोई भी मंगल कार्य करते हैं तो रणथंभौर वाले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते. यह मंदिर 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था.

कहा जाता है कि युद्ध के दौरान राजा के सपने में गणेश जी आए थे और उन्हें आशीर्वाद दिया. जिसके बाद युद्ध में राजा की विजय हुई. तब उन्होंने अपने किले में मंदिर का बनवाया.

विराजते हैं त्रिनेत्री भगवान गणेश: यहां भगवान गणेश की मूर्ति बाकी मंदिरों से कुछ अलग है. मूर्ति में भगवान की तीन आंखें हैं. गणेश जी अपनी पत्नी रिद्धि, सिद्धि और अपने पुत्र शुभ-लाभ के साथ विराजमान हैं. गणनायक का वाहन चूहा भी साथ में है. यहां गणेश चतुर्थी पर धूमधाम से उत्सव मनाया जाता है और विशेष पूजा अर्चना की जाती है.

डाक से भगवान को भेजी जाती हैं चिट्ठियां: यह देश के कुछ उन मंदिरों में से है जहां भगवान के नाम डाक आती है. देश के कई लोग अपने घर में होने वाले हर मंगल कार्य का पहला कार्ड यहां भगवान गणेश के नाम भेजते हैं. कार्ड पर पता लिखा जाता है- 'श्री गणेश जी, रणथंभौर का किला, जिला- सवाई माधौपुर (राजस्थान)'. डाकिया भी इन चिट्ठियों को पूरी श्रद्धा और सम्मान से मंदिर में पहुंचा देता है।

इसके बाद पुजारी चिट्ठियों को भगवान गणेश के सामने पढ़कर उनके चरणों में रख देते हैं. मान्याता है कि इस मंदिर में भगवान गणेश को निमंत्रण भेजने से सारे काम अच्छी तरह पूरे हो जाते हैं।

रियो ओलंपिक से पहले भारत को झटका, दूसरे मैच में भी स्पेन से हारी हॉकी टीम

भारतीय पुरूष हॉकी टीम की रियो ओलंपिक की तैयारियों को करारा झटका लगा है. अपनी निचली रैंकिंग वाली टीम स्पेन से उसे दूसरे प्रैक्टिस मैच में भी हार झेलनी पड़ी. स्पेन ने भारतीय टीम को 3-2 से शिकस्त देकर सीरीज पर कब्जा जमाया. वर्ल्ड रैंकिंग में पांचवें नंबर पर काबिज भारतीय हॉकी टीम सीरीज 0-2 से हार गई है. दुनियां की 11वें नंबर की टीम स्पेन ने पहला मैच 4-1 से जीता. आठ बार की ओलंपिक चैंपियन भारतीय हॉकी टीम को यहां से सीधे रियो जाना है. भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में आखिरी पदक मास्को में 1980 में जीता था. जब उसे आठवां गोल्ड मेडल जीता था.

मनप्रीत और रमनदीप के किये गोल इस मुकाबले में भारतीय टीम की तरफ से मनप्रीत सिंह नें 38वें मिनट, और रमनदीप ने 58वें मिनट में गोल दागे. वहीं स्पेन के लिए जोसेफ रोमेयू ने 20वें, पाउ किमाडा ने 42वें और सल्वाडोर पियरा 53वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई. स्पेन के खिलाड़ी रोमेयू ने दूसरे क्वार्टर में मिले दूसरे पेनल्टी कार्नर पर गोल कर अपनी टीम के लिए बढ़त बनाई. भारत ने दूसरे हॉफ में वापसी करते हुए. मनप्रीत के गोल के दम पर बराबरी की. लेकिन स्पेन ने चार मिनट बाद किमाडा के गोल के दम पर फिर बढत बनाई. आखिरी क्वार्टर में भारत ने बराबरी के लिए कई कोशिशें की. लेकिन स्पेन के सल्वाडोर पियरा ने 53वें मिनट में गोल किया. जबकि चार मिनट बाद रमनदीप ने भारत का दूसरा गोल दागा।

फिल्म समीक्षा
मदारी

सिस्टम में फैले भ्रष्टाचार पर प्रहार करती अनेक फिल्में बॉलीवुड में बनी हैं और इस लिस्ट में 'मदारी' का नाम भी जुड़ गया है। 'बाज चूजे पर झपटा...उठा ले गया- कहानी सच्ची लगती है, लेकिन अच्छी नहीं लगती। बाज पे पलटवार हुआ कहानी सच्ची नहीं लगती, लेकिन खुदा कसम बहुत अच्छी लगती है।'... फिल्म के आरंभ में व्यक्त यह कथन ही फिल्म का सार है।

फिल्म में इरफान एक पीड़ित पिता के किरदार में हैं जो अपने बेटे की मौत का बदला लेने के लिए टॉप पॉलिटीशियन के बेटे को किडनैप कर लेता है। फिल्म को शैलजा केजरीवाल और रितेश शाह ने लिखा है और निशिकांत कामत ने निर्देशित किया है। हिंदी में निशिकांत फोर्स, दृश्यम, मुंबई मेरी जान और रॉकी हैंडसम जैसी फिल्में बना चुके हैं। 'मदारी' के लेखकों ने भ्रष्टाचार विषय तो तय कर लिया, लेकिन जिस तरह से उन्होंने इस विषय के इर्दगिर्द कहानी की बुनावट की है वो प्रभावित नहीं करती।

यहां चोर-पुलिस के खेल पर फोकस किया गया है, लेकिन यह रोमांचविहीन है। कभी भी नहीं लगता कि ऑफिसर नचिकेत वर्मा (जिम्मी शेरगिल) निर्मल (इरफान) को पकड़ने के लिए कुछ ठोस योजना बना रहा है। दूसरी ओर निर्मल बहुत ही आसानी के साथ गृह मंत्री के बेटे को अगवा कर घूमता रहता है। आठ साल का बालक बहुत ही स्मार्ट दिखाया गया है, वह स्टॉकहोम सिंड्रोम की बातें तो करता है, पर कभी भी भागने की कोशिश नहीं करता।

अंतिम बीस मिनट ही फिल्म की जान है जिसमें तेजी से घटनाक्रम घटते हैं लेकिन यहां तक पहुंचने का जो सफर है काफी कष्टप्रद है जिसमें आपके धैर्य की कई बार परीक्षा ली जाती है।

दुर्घटनाओं में कई आम लोग राजनैतिक लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण मारे जाते हैं। चूंकि इनके पास लड़ने के लिए न पैसा होता है न पॉवर इसलिए जिम्मेदार लोग बच निकलते हैं। फिल्म के जरिये ये बात उठाने की कोशिश की गई है, लेकिन ये दर्शकों के मन पर स्क्रिप्ट की कमियों के चलते असर नहीं छोड़ती। फिल्म के क्लाइमैक्स में ये सारी बातें की गई हैं तब तक दर्शक फिल्म में रूचि खो बैठते हैं।

एक हद तक अपने अभिनय के बल पर इरफान खान फिल्म को थामे रहते हैं, लेकिन वे अकेले भी कब तक भार उठाते। स्क्रिप्ट की कोई मदद उन्हें नहीं मिली। उनकी एक्टिंग का नमूना अस्पताल के एक शॉट में देखने लायक है जब उनका बेटा मर जाता है और वे रोते हैं। 'मदारी' अपने सवालों से कई बार हमें झकझोरती भी है और इरफान की रुलाई आम नागरिक की विवशता जाहिर करती है। अन्य कलाकारों में जिम्मी शेरगिल और बाल कलाकार विशेष बंसल प्रभावित करते हैं।

कुल मिलाकर 'मदारी' का यह खेल न मनोरंजक है और न ही यह भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दे को ठीक से उठा पाई। इस विषय पर 'द वेडनेसडे' जैसी फिल्म बन चुकी है जिसकी अमिट छाप अभी भी हमारे दिल में है। आपको फिल्म में नयेपन और कसावट की कमी महसूस होगी फिर भी ये फिल्म देखी जा सकती है। मै इस फिल्म को 5 में से 2.5 स्टार देता हूं।

★★ *अजय सिसोदिया*

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)